HIND JANPATH, PAGE NO. 4,
30.06.2020

माधव केआरजी ग्रुप द्वारा इंटरनेशनल ज़िंक एसोसिएशन के सहयोग से सीजीआर मैनुफैक्चरिंग युनिट लॉन्च

हिसार : इंटरनेशनल ज़िंक एसोसिएशन ने स्टील निर्माता कंपनी माधव केआरजी ग्रुप तथा हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड के सहयोग से एशिया की पहली कन्टीन्यूअस गैलवेनाइज़्ड रेबार (सीजीआर) मैनुफैक्चरिंग युनिट को लॉन्च किया है। पंजाब में गोबिन्दगढ़ के पास स्थित अपनी तरह की पहली यह युनिट, नए उत्पाद कन्टीन्यूअस गैल्वेनाइज़्ड रेबार (सीजीआर) का उत्पादन करेगी। सीजीआर वैल्यू एडेड रेबार हैं, जो न केवल टिकाउ हैं बल्कि इन्हें कम रखरखाव की ज़रूरत होती है, इस तरह ये अन्य जंग रोधी रेबार सिस्टम की तुलना में लागत में बड़ी बचत करते हैं। यह तैयार प्रोडक्ट के लिए ऑन-साईट फोर्मेबिलिटी देते हैं, तथा अन्य जंग रोधी रेबार की तुलना में कम कीमतों पर बेहतरीन जंग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करते हैं। 30,000 टन से अधिक सालाना क्षमता के साथ यह प्लांट ब्राण्ड-ज्योति- के नाम से जैडएनकोट टैम्पकोर टीएमटी बार का निर्माण करेगा। यह सीजीआर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाला एशिया का पहला ब्राण्ड होगा जो न केवल बेहतरीन है बल्कि रेबार को टिकाउ बनाता है, उनके रखरखाव में आने वाली लागत को कम करता है। डॉ एंड्रयू ग्रीन, एक्ज़िक्टिव डायरेक्टर, इंटरनेशनल ज़िंक एसोसिएशन (आईजैडए) ने कहा कि पिछले 10 सालों में, भारतीय ज़िंक की मांग 4-5 फीसदी सालाना की विकास दर के साथ बढ़ी है। हालांकि गैल्वेनाइज़्ड रेबार और खासतौर पर सीजीआर का इस्तेमाल सीमित रूप से किया जा रहा है, हालांकि इनके इस्तेमाल से बड़ी कॉन्क्रीट संरचनाओं के जीवनचक्र को दोगुना किया जा सकता है। भारत सरकार, देश की बुनियादी संरचना को मजबूत बनाने के लिए तत्पर है, ऐसे में इस तरह की टिकाउ एवं जंग रोधी तकनीकों को अपनाना बेहतद महत्वपूर्ण साबित होगा। हमें विश्वास है कि माधव केजीआर और हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड के सहयोग से, हम भारत के स्थायी विकास में योगदान दे सकेंगे।

JAGMARG, PAGE NO. 7,
30.06.2020

इंटरनेशनल जिंक एसो. के सहयोग से सीजीआर मैनुफेक्करिंग यूनिट लॉन्च

जगमार्ग न्यूज

हिसार। इंटरनेशनल ज़िंक एसोसिएशन ने स्टील निर्माता कंपनी माधव केआरजी ग्रुप तथा हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड के सहयोग से एशिया की पहली कन्टीन्यूअस गैलवेनाइज़्ड रेबार (सीजीआर) मैनुफैक्करिंग युनिट को लॉन्च किया है। पंजाब में गोबिन्दगढ़ के पास स्थित अपनी तरह की पहली यह युनिट, नए उत्पाद कन्टीन्यूअस गैल्वेनाइज़्ड रेबार (सीजीआर) का उत्पादन करेगी। सीजीआर वैल्यू एडेड रेबार हैं, जो न केवल टिकाउ हैं बल्कि इन्हें कम रखरखाव की ज़रूरत होती है, इस तरह ये अन्य जंग रोधी रेबार सिस्टम की तुलना में लागत में बड़ी बचत करते हैं। यह तैयार प्रोडक्ट के लिए ऑन-साईट फोर्मेबिलिटी देते हैं, तथा अन्य जंग रोधी रेबार की तुलना में कम कीमतों पर बेहतरीन जंग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करते हैं। 30,000 टन से अधिक सालाना क्षमता के साथ यह प्लांट ब्राण्ड-ज्योति- के नाम से जैडएनकोट टैम्पकोर टीएमटी बार का निर्माण करेगा। यह सीजीआर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाला एशिया का पहला ब्राण्ड होगा जो न केवल बेहतरीन है बल्कि रेबार को टिकाउ बनाता है, उनके रखरखाव में आने वाली लागत को कम करता है। डॉ एंड्रयू ग्रीन, एक्ज़िक्टिव डायरेक्टर, इंटरनेशनल ज़िंक एसोसिएशन (आईजैडए) ने कहा कि पिछले 10 सालों में, भारतीय ज़िंक की मांग 4-5 फीसदी सालाना की विकास दर के साथ बढ़ी है।